शराब कारोबार बेलगाम संभागीय मुख्यालय में बेलगाम शराब कारोबार, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

शराब सिंडिकेट के आगे नतमस्तक प्रशासन, नियमों की उड़ रही धज्जियां

नवभारत शहडोल। संभागीय मुख्यालय शहडोल इन दिनों शराब सिंडिकेट के शिकंजे में जकड़ा दिखाई दे रहा है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि ऐसा प्रतीत होता है मानो जिले में कानून नहीं, बल्कि शराब माफियाओं का शासन चल रहा हो। आबकारी नियमों को ताक पर रखकर खुलेआम मनमानी की जा रही है और प्रशासन मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहा है।

सूत्रों के अनुसार जिले की शराब दुकानों का संचालन पड़ोसी राज्य के रसूखदार कारोबारियों के हाथों में पहुंचने के बाद से पूरे सिस्टम पर उनका दबदबा बढ़ गया है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शराब दुकानों में नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है।

ओवर रेटिंग का खुला खेल

मध्यप्रदेश आबकारी नीति स्पष्ट रूप से कहती है कि प्रत्येक शराब दुकान में रेट लिस्ट प्रदर्शित होना अनिवार्य है तथा ग्राहकों को बिल देना भी जरूरी है। लेकिन धनपुरी और कोयलांचल सहित अधिकांश दुकानों में न तो रेट सूची दिखाई देती है और न ही ग्राहकों को बिल दिया जाता है। स्थिति यह है कि शराब की बोतलों पर निर्धारित कीमत से 20 से 50 रुपये तक अतिरिक्त वसूली की जा रही है। आम उपभोक्ता मजबूरी में लुटने को विवश है। सोशल मीडिया पर आए दिन ओवर रेटिंग की शिकायतें वायरल हो रही हैं, बावजूद इसके आबकारी विभाग की चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

उप्र, बिहार के कर्मचारियों के भरोसे दुकानें

शराब दुकानों में बड़ी संख्या में बाहरी राज्यों के युवकों को काम पर लगाया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इनमें से कई कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन तक नहीं कराया गया। जबकि नियमों के अनुसार बाहरी कर्मचारियों का सत्यापन अनिवार्य होता है। यदि भविष्य में किसी अप्रिय घटना, मारपीट, लूट या आपराधिक वारदात में इन लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उसकी जवाबदेही कौन लेगा। पुलिस और आबकारी विभाग की लापरवाही शहर की सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कई स्थानों पर धार्मिक स्थलों और रिहायशी इलाकों के समीप शराब दुकानों का संचालन किया जा रहा है। मंदिरों के आसपास देर रात तक शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे महिलाओं और स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मध्यप्रदेश सरकार की नीति धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थानों के आसपास शराब बिक्री पर रोक लगाने की बात करती है, लेकिन शहडोल में नियम केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रहे हैं।

प्रशासन की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर प्रशासन इन अनियमितताओं पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा? क्या शराब माफियाओं का प्रभाव इतना मजबूत हो चुका है कि जिम्मेदार अधिकारी भी मौन साधने को मजबूर हैं। जनता का आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण और सांठगांठ के चलते शराब सिंडिकेट बेखौफ होकर काम कर रहा है। यही वजह है कि शिकायतों के बाद भी न तो जांच होती है और न ही दोषियों पर कोई कठोर कार्रवाई दिखाई देती है। यदि समय रहते जिला प्रशासन और आबकारी विभाग ने सख्त कदम नहीं उठाए, ओवर रेटिंग पर रोक नहीं लगी, बाहरी कर्मचारियों का सत्यापन नहीं हुआ और नियम विरुद्ध संचालित दुकानों की जांच नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है।छेत्र की जनता अब यह जानना चाहती है कि आखिर प्रशासन शराब माफियाओं पर कार्रवाई करेगा या फिर इसी तरह सिंडिकेट के आगे घुटने टेकता रहेगा। जब इस सम्बन्ध मे आबकारी निरीछक से सवाल किया जाता है तो उनके द्वारा कार्रवाही करने की बात कर अपना पल्ला झाड लिया जाता है।

विश्व चाय दिवस पर न्यायालय परिसर में चाय पर संवाद

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

नवभारत,धनपुरी/देपालपुर। विश्व चाय दिवस के अवसर पर तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर के तत्वावधान में न्यायालय परिसर में समिति के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अध्यक्षता में एक विशेष प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी पत्रकारों, विद्वान अधिवक्ताओं एवं न्यायालयीन कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए 'चाय पर संवाद' के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

तहसील समिति के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि जीवन को सफल, स्वस्थ और सकारात्मक बनाने का आधार है। उन्होंने बताया कि न्यायालय परिसर को हाल ही में नगर निगम इंदौर द्वारा गठित दल के गोपनीय स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, जो समस्त न्यायालय परिवार, अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

श्री खान ने कहा कि जहाँ स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण होता है, वहाँ अनुशासन, सकारात्मकता और सफलता स्वयं मार्ग खोज लेती है और यही सशक्त राष्ट्र की पहचान और आधार है। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मचारियों ने न्यायालय परिसर को सदैव स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। साथ ही सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 'एक पेड़ गोद लेने' एवं उसकी नियमित सेवा-सुरक्षा करने का प्रण भी लिया। कार्यक्रम में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी संदेश देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान तहसील विधिक सेवा समिति की ओर से सभी पत्रकार साथियों का कलम भेंट कर सम्मान भी किया गया। इस सम्मान के माध्यम से समाज में सकारात्मक पत्रकारिता और जनजागरण में मीडिया की भूमिका को सराहा गया। कार्यक्रम में एसडीओपी संघ प्रिय सम्राट,टी.आई. रणजीत सिंह बघेल,अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अंतर सिंह मौर्य सहित सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ता सदस्य, सभी पत्रकारगण और न्यायालयीन कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरा आयोजन आत्मीयता, सामाजिक सरोकार और जनजागरण की भावना से ओतप्रोत रहा। विश्व चाय दिवस पर आयोजित यह 'चाय पर संवाद' कार्यक्रम स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता का एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आया।

30 हजार पद सरेंडर करने के विरोध में रेलवे मजदूर संघ का प्रदर्शन

नवभारत, शहडोल। रेलवे बोर्ड द्वारा 30 हजार पदों को सरेंडर किए जाने के निर्णय के विरोध में भारतीय रेलवे मजदूर संघ के आह्वान पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। संघ द्वारा 15 मई से 29 मई 2026 तक शाखा, मंडल एवं जोन स्तर पर काला पट्टी बांधकर विरोध पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय बिलासपुर के समक्ष विशाल विरोध प्रदर्शन एवं सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री संतोष पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभा को वरिष्ठ जोनल सलाहकार निमाई बनर्जी, जोनल अध्यक्ष कमलेश सिंह, कार्यवाहक अध्यक्ष विवेकानंद चंद्रा, सहायक महामंत्री नूतन वर्मा एवं जोनल उपाध्यक्ष युवराज सिंह ने संबोधित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जोनल सदस्य धर्मा राव, राकेश पटेल एवं मंडल अध्यक्ष राकेश साहू ने की, जबकि संचालन मंडल सचिव प्रोम्पी कुमार सिंह ने किया। वक्ताओं ने रेलवे प्रशासन की कर्मचारी विरोधी नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि लगातार पदों में कटौती से कर्मचारियों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ रहा है, जिससे रेलवे की सुरक्षा, कार्यक्षमता एवं कर्मचारियों के मानसिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

सभा में सत्ताधारी यूनियन की निष्क्रियता एवं कर्मचारियों के मुद्दों पर उदासीन रवैये की भी आलोचना की गई। विरोध प्रदर्शन में संजय यादव, हरीश कुमार डहरवाल, उत्तम दास मानिकपुरी, संजय शर्मा, अरुण कुमार, राजकमल पटेल, मिथिलेश यादव, राजेंद्र सिंह, जे.के. वर्मा, विप्लव दास सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में मंडल रेल प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर रेलवे बोर्ड अध्यक्ष के नाम 30 हजार पदों को सरेंडर करने के निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की गई।

कोयला उत्पादन बढ़ाने एरिया महाप्रबंधक कर रहे सतत निरीक्षण

नवभारत,धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया की कोयला खदानों में कोयला उत्पादन बढ़ाने को लेकर एरिया प्रबंधन की ओर से सभी प्रयास किया जा रहे हैं साथ में सुरक्षा को भी उत्पादन से पहले प्राथमिकता दी जा रही है वर्तमान में अगर देखा जाए तो एरिया की लगभग सभी खदानों में प्रतिदिन 20000 टन से भी अधिक उत्पादन देखा जा रहा है जो की एरिया के लिए महत्वपूर्ण भी कहा जा सकता है एसईसीएल बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा इस वर्ष 70 लाख टन से भी अधिक का वार्षिक कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है यही कारण है की शुरुआत से ही उत्पादन बढ़ाने को लेकर प्रबंधन की ओर से सभी प्रयास किया जा रहे हैं एरिया महाप्रबंधक बी के जेना लगातार कोयला खदानों का निरीक्षण करते हुए वहां के उत्पादन से संबंधित विषयों पर अधिकारियों से चर्चा कर रहे हैं विगत दिनों डायरेक्टर टेक्निकल भी एरिया आए हुए थे जहां पर वह तीन दिनों तक रुके थे और

कोयला खदानों का निरीक्षण करने के साथ-साथ यहां का उत्पादन और व्यवस्थाओं को भी देखा था डायरेक्टर टेक्निकल का एरिया दौरा भी काफी महत्वपूर्ण था और यही वजह है कि एरिया प्रबंधन सुरक्षा के साथ कोयला उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास करते हुए देखी जा रही है वैसे तो एरिया की ओपन कास्ट खदानों में सबसे अधिक उत्पादन हो रहा है इसके साथ-साथ सभी भूमिगत खदानों में भी उत्पादन बढ़ाते हुए देखा जा रहा है शारदा ओपन कास्ट की बात की जाए तो यहां पर उत्पादन बढ़ाने को लेकर नवागत उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी रमन्ना लगातार प्रयास कर रहे हैं और उनका प्रयास सार्थक भी देखने को मिल रहा है दूसरी तरफ अगर देखा जाए तो भूमिगत खदानों में खैरा भूमिगत खदान जहां पर सबसे अधिक कोयला उत्पादन हो रहा है जो कि पूरे एरिया के लिए बेहतर माना जा रहा है इसे भूमिगत खदान में तीन सीएम मशीन चल रही है और प्रतिदिन 4000 टन के आसपास कोयला उत्पादन भी हो रहा है ओपन कास्ट खदानों में रामपुर सबसे आगे है तो वहीं दूसरी तरफ अमलाई ओपन कास्ट में भी लगातार उत्पादन बढ़ाते हुए देखा जा रहा है।

पिछले वर्ष 2025- 26 मार्च तक अगर देखा जाए तो एरिया अपने लक्ष्य से पीछे रह गया था जिसे सबसे बड़ा कारण अमली ओपन कास्ट में कोयला उत्पादन न होना था लेकिन वर्तमान में यहां पर उत्पादन तेजी से होता हुआ देखा जा रहा है वही सभी भूमिगत खदानों में अब सीएम प्रोजेक्ट से कोयला उत्पादन हो रहा है और ऐसी उम्मीद जताई जा रही है की सीएम प्रोजेक्ट से जहां भूमिगत खदानों में उत्पादन किया जा रहा है आने वाले समय में वहां उत्पादन और बढ़ेगा जो एरिया के वार्षिक उत्पादन लक्ष्य में सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्पादन तेजी से होने के कारण एरिया की लाभ में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है और अगर इसी तरह उत्पादन और तेजी से आगे बढ़ता रहा तो एरिया का लाभ भी बढ़ता जाएगा वैसे भी अगर देखा जाए तो महाप्रबंधक बी के जेना के पदस्थ होने के बाद एरिया में कोयला खदानों की स्थिति भी बेहतर देखने को मिलने लगी है और लगातार उनका खदानों में निरीक्षण व्यवस्थाओं को और दुरुस्त करने का काम कर रही है इतना ही नहीं उत्पादन से संबंधित विषयों पर उनकी गंभीरता साफ तौर पर देखने को मिलती है और लगातार अधिकारियों के साथ बैठक कर उत्पादन से संबंधित विषयों पर चर्चा तो करते ही है उसके साथ-साथ जहां पर समस्याएं होती हैं उसका भी निराकरण करते हैं उनके नेतृत्व में आज एरिया तेजी से आगे बढ़ रहा है और ऐसी उम्मीद है कि आने वाले दिनों में कोयला उत्पादन को लेकर सोहागपुर एरिया नए-नए कीर्तिमान बनाएगा।

बरसात से पहले व्यवस्थाओं को किया जा रहा दुरुस्त

अगले महीने 15 जून के बाद मानसून आ जाएगा और इसे देखते हुए अब एरिया प्रबंधन की ओर से कोयला खदानों में व्यवस्थाओं को बेहतर करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए गए हैं ओपन कास्ट खदानों में बरसात के समय पर जल भराव की स्थिति सबसे अधिक देखने को मिलती है और यही कारण है कि इसका सीधा असर कोयला उत्पादन पर भी पड़ता है लेकिन समय रहते प्रबंधन की ओर से इस स्थिति से निपटने को लेकर पर्याप्त व्यवस्थाएं की जा रही है ताकि बरसात के समय पर खदानों में जल भराव की स्थिति ना हो एरिया महाप्रबंधक लगातार अधिकारियों से इस मुद्दे को लेकर चर्चा भी कर रहे हैं और समय रहते व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिए निर्देश भी दे रहे हैं।

22 वर्षीय नवविवाहिता ने की खुदकुशी

फांसी के फंदे पर लटकते मिली

नवभारत, सिंहपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत एक 22 वर्षीय नवविवाहिता की मौत बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना और हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि, दहेज में बुलेट गाड़ी की मांग की गई थी, जिसके चलते मृतिका को प्रताड़ित किया जा रहा था। वहीं मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। मिली जानकारी अनुसार, ग्राम उधिया में शुभी यादव का शव उसके ससुराल में फांसी के फंदे में लटकता हुआ पाया गया है।

पति बोला : जब घर लौटा फंदे पर झूलती मिली शुभी

घटना की सूचना बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा बाद शव को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है। बताया गया है कि, कुछ माह पूर्व ही शुभी का विवाह हुआ था। पुलिस ने बताया कि, उधीया गांव की रहने वाली शुभी यादव की मौत फांसी के फंदे पर लटकने से हुई है। हालांकि, जब पुलिस मौके पर पहुंची तो शव फंदे पर नहीं था। पति धर्मेंद्र ने पुलिस को बताया कि, जिस समय शुभी ने आत्महत्या की, उस समय घर पर कोई नहीं था। उसने पेट में दर्द होने की बात कहकर मुझे अस्पताल ले जाने के लिए कहा था। खेत में काम था इसलिए, मैंने लौटकर अस्पताल ले जाने की बात कही थी। जब मैं लौटा तो शुभी का शव फंदे पर लटका मिला।

पिछले साल अप्रैल में हुआ था विवाह

मृतका के चाचा के अनुसार, पिछले साल अप्रैल में शुभी और धर्मेंद्र की शादी हुई थी। कुछ ही समय बाद ससुराल वाले बुलेट की मांग करने लगे। जब उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो, शुभी को प्रताड़ित किया जाने लगा। उसके साथ मारपीट की आशंका भी जताई। कहा कि, ससुराल वालों ने धमकी दी थी कि, अगर बुलेट नहीं दी तो, कोई बड़ी घटना हो जाएगी। परिजनों का कहना है कि, शुभी ने आत्महत्या नहीं की है। बल्कि, उसकी हत्या करके शव को फांसी से लटकाया गया है। शुभी के शव के नाक और मुंह से खून निकल रहा था। आशंका है कि, शुभी के साथ मारपीट भी हुई है।

इनका कहना है

मृतिका के पति ने ही संबंधित घटना की जनकारी थाने आकर दी थी। पति ने बताया कि, जब वह घर पहुंचा, तो उसकी पत्नी शुभी फांसी के फंदे पर लटक हुई तड़प रही थी। जिसके बाद उसने हांसिए से रस्सी काटकर उसे नीचे उतार, लेकिन तब तक उसकी सांसें पूरी तरह थम चुकी थीं। आज मृतिका का पीएम कराया जाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। आगे की जांच अभी जारी है।

आशीष दारिया
थाना प्रभारी, सिंहपुर

नगर पालिका कर्मचारियों को मिली एरियर राशि की सौगात, खुशी से खिले चेहरे

नवभारत,शहडोल । कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देश एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद शहडोल के कर्मचारियों को लंबित एरियर राशि का पूर्ण भुगतान कर दिया गया। कर्मचारियों के बैंक खातों में द्वितीय किस्त की शेष राशि जमा होते ही नगर पालिका कार्यालय में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा लंबे समय से द्वितीय किस्त एरियर भुगतान की मांग की जा रही थी। कर्मचारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने त्वरित पहल कर भुगतान प्रक्रिया पूरी कराई। प्रशासन की इस संवेदनशील कार्यवाही से कर्मचारियों में संतोष और उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

दीनदयाल रसोई से गरीबों को भोजन कराएं उपलब्ध : कलेक्टर

जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित

नवभारत, शहडोल । कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में दीनदयाल रसोई योजनांतर्गत गठित जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में आयोजित की गई। कलेक्टर ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित दीनदयाल रसोई योजना एक जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य गरीब, श्रमिक, जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को कम कीमत पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। योजना के

अंतर्गत शहरों में संचालित रसोई केंद्रों पर लोगों को बहुत कम शुल्क में भरपेट भोजन दिया जाता है। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को सस्ता भोजन उपलब्ध कराएं। बैठक में रघुकुल सामाजिक सेवा एवं मानव कल्याण द्वारा लिए गए टेंडर को एक वर्ष और बढ़ाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष श्री घनश्याम जायसवाल, मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशा भंडारी सहित जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति के सदस्य उपस्थित रहें।

पात्र व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में कराएं दर्ज : प्रेक्षक

प्रेक्षक ने विभिन्न मतदान केंद्रो का किया निरीक्षण

नवभारत,शहडोल । राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निकाय नगरीय एवं ग्रामीण के मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की निगरानी के लिए नियुक्त किए गए प्रेक्षक नीरज दुबे ने नगर पंचायत जयसिंहनगर के वार्ड क्रमांक 13, 11, 9 एवं 4 एवं जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कौवासराई, टेटका, देवरी मसीरा सहित अन्य मतदान केंद्रो का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का अवलोकन कर मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम विलोपित करने, संशोधन हेतु प्राप्त आवेदन पत्रो की जानकारी संबंधित बीएलओ से प्राप्त की। उन्होंने कहा मतदाता पुनरीक्षण कार्य का बेहतर प्रचार-प्रसार कराएं जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति अपने मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु वंचित न रहें एवं प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि विगत एक वर्ष के भीतर मृतक व्यक्तियो की सूची प्राप्त कर उनका नाम विलोपित करें। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार सुषमा धुर्वे, लाइजनिंग ऑफिसर श्री आनंद अग्रवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

असंतोष जमीनी कार्यकर्ता हाशिए पर, अवैध कारोबारी हावी

पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा से बढ़ रहा असंतोष : पं. राजकिशोर द्विवेदी

नवभारत, धनपुरी/खैरहा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं खैरहा मंडल के पूर्व महामंत्री पंडित राजकिशोर द्विवेदी ने पार्टी की वर्तमान कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी में अब पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं की पूछ-परख कम होती जा रही है, जिससे एक बड़ा वर्ग स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहा है।

राजकिशोर द्विवेदी ने कहा कि जिन कार्यकर्ताओं ने विपरीत परिस्थितियों में पार्टी को मजबूत करने के लिए वर्षों तक मेहनत की, आज वही कार्यकर्ता संगठन में खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। उनका आरोप है कि अब वास्तविक जमीनी

कार्यकर्ताओं की बजाय फेसबुकिए और रील के जरिए राजनीति चमकाने वालों को अधिक महत्व दिया जा रहा है।

अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों को मिल रहा संरक्षण

उन्होंने आरोप लगाया कि कई ऐसे लोग, जो विभिन्न अवैध गतिविधियों में संलिप्त हैं, वे भी पार्टी की आड़ लेकर अपना प्रभाव बढ़ा रहे हैं। द्विवेदी ने कहा कि पूरे शहडोल जिले में खुलेआम कोयला, कबाड़ और रेत की तस्करी चल रही है, लेकिन इसके खिलाफ कोई ठोस आवाज नहीं उठाई जा रही।

उनका कहना था कि जिले में जुआ-सट्टा, अवैध शराब और मादक पदार्थों का कारोबार लगातार बढ़ रहा है, जिससे नई पीढ़ी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि नशे और अवैध कारोबार ने युवाओं को दीमक की तरह खोखला करना शुरू कर दिया है।

नेताओं की चुप्पी पर उठाए सवाल

पूर्व महामंत्री ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि पार्टी का कोई भी बड़ा नेता इन अवैध गतिविधियों का खुलकर विरोध नहीं कर रहा। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इन मामलों पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो इसका दुष्परिणाम समाज और संगठन दोनों को भुगतना पड़ सकता है।

कार्यकर्ताओं की नहीं सुनी जा रही बात

राजकिशोर द्विवेदी ने शासकीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी दफ्तरों में चपरासी स्तर का कर्मचारी भी कार्यकर्ताओं की बात सुनने को तैयार नहीं होता। इससे आम कार्यकर्ताओं में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले कार्यकर्ताओं की पहचान और सम्मान होता था, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। पार्टी में समर्पित कार्यकर्ताओं की बजाय प्रभावशाली और आर्थिक रूप से मजबूत लोगों का दबदबा बढ़ता जा रहा है।

व्यापारी सोच हावी होने का आरोप

द्विवेदी ने आरोप लगाया कि पार्टी पर अब व्यापारी सोच हावी होती जा रही है। उन्होंने कहा कि विचारधारा और संगठनात्मक मूल्यों की जगह व्यक्तिगत लाभ और प्रभाव को अधिक महत्व दिया जा रहा है, जो भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत हैं। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से संगठन के पुराने कार्यकर्ताओं की भावनाओं को समझने और जमीनी स्तर पर बढ़ रही नाराजगी पर ध्यान देने की मांग की है।